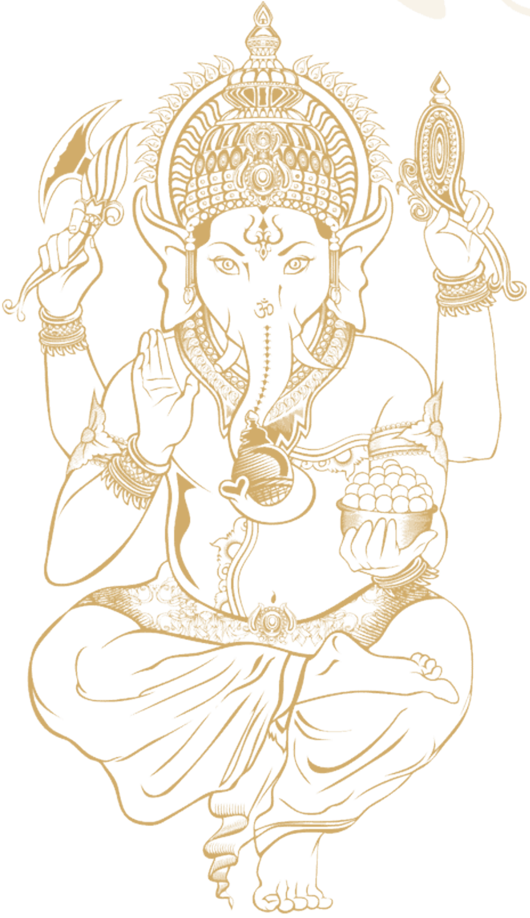

Rishabh Kumar

09 Dec 1999

06:00 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121282202

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **8-09/12/1999**
दिन	: बुध-गुरुवार
जन्म समय	: **06:00:00 घंटे**
इष्ट	: 59:04:21 घटी
स्थान	: **Gaya**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 24:48:00 उत्तर
रेखांश	: 85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 06:10:00 घंटे
वेलान्तर	: 00:08:21 घंटे
साम्पातिक काल	: 11:19:16 घंटे
सूर्योदय	: 06:22:15 घंटे
सूर्यास्त	: 17:01:09 घंटे
दिनमान	: 10:38:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 22:37:02 वृश्चिक
लग्न के अंश	: 16:46:40 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	: **धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	: **मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: शूल
करण	: बव
गण	: राक्षस
योनि	: श्वान
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: मानव
वर्ग	: मृग
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	16:46:40	315:07:32	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	22:37:02	01:00:58	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	04:18:51	11:48:51	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			मक	15:55:45	00:46:18	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	03:22:12	01:18:46	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु	व		मेष	01:23:32	00:02:25	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	09:44:09	01:10:13	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	17:28:44	00:03:29	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	नीच राशि
राहु	व		कर्क	10:41:44	00:06:53	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		मक	10:41:44	00:06:53	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:55:01	00:02:14	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप			मक	08:34:47	00:01:43	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:43:29	00:02:20	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			सिंह	25:04:11	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:07

लग्न-चलित

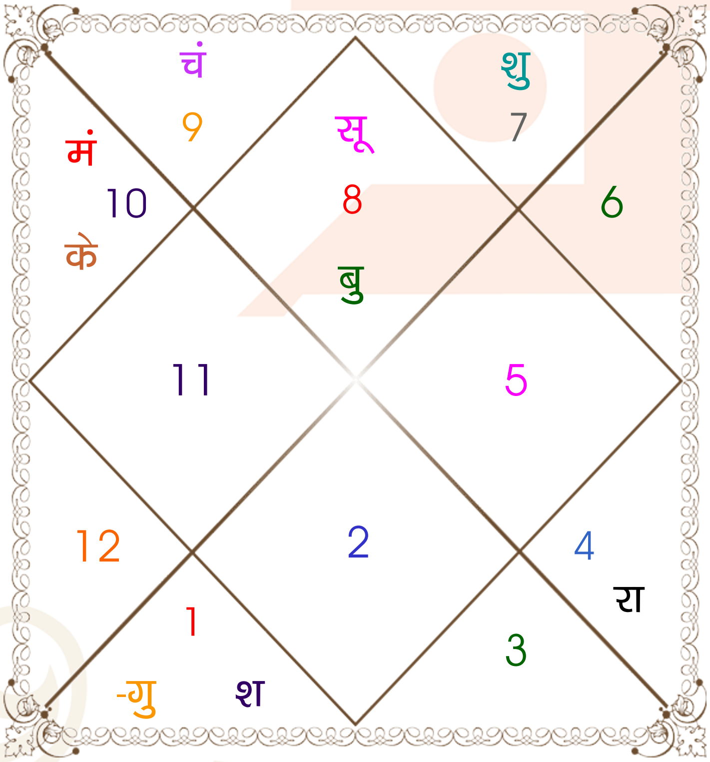

चन्द्र कुंडली

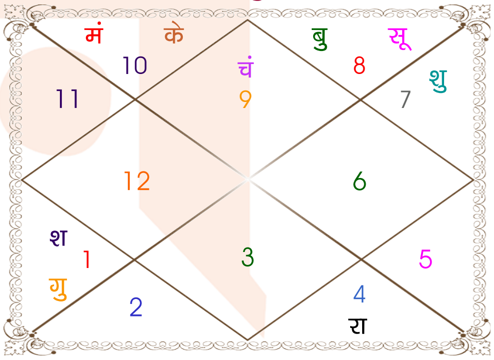

नवमांश कुंडली

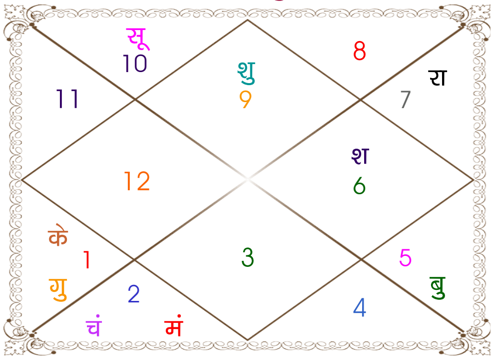

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 8 मास 24 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
09/12/1999	**02/09/2004**	**02/09/2024**	**03/09/2030**	**02/09/2040**
02/09/2004	**02/09/2024**	**03/09/2030**	**02/09/2040**	**03/09/2047**
00/00/0000	शुक्र 03/01/2008	सूर्य 21/12/2024	चंद्र 04/07/2031	मंगल 29/01/2041
00/00/0000	सूर्य 02/01/2009	चंद्र 21/06/2025	मंगल 02/02/2032	राहु 17/02/2042
09/12/1999	चंद्र 03/09/2010	मंगल 27/10/2025	राहु 03/08/2033	गुरु 24/01/2043
चंद्र 07/03/2000	मंगल 03/11/2011	राहु 21/09/2026	गुरु 03/12/2034	शनि 04/03/2044
मंगल 03/08/2000	राहु 03/11/2014	गुरु 10/07/2027	शनि 03/07/2036	बुध 01/03/2045
राहु 21/08/2001	गुरु 04/07/2017	शनि 21/06/2028	बुध 03/12/2037	केतु 28/07/2045
गुरु 28/07/2002	शनि 02/09/2020	बुध 28/04/2029	केतु 04/07/2038	शुक्र 27/09/2046
शनि 06/09/2003	बुध 04/07/2023	केतु 02/09/2029	शुक्र 04/03/2040	सूर्य 02/02/2047
बुध 02/09/2004	केतु 02/09/2024	शुक्र 03/09/2030	सूर्य 02/09/2040	चंद्र 03/09/2047

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
03/09/2047	**02/09/2065**	**02/09/2081**	**03/09/2100**	**03/09/2117**
02/09/2065	**02/09/2081**	**03/09/2100**	**03/09/2117**	**00/00/0000**
राहु 16/05/2050	गुरु 22/10/2067	शनि 05/09/2084	बुध 31/01/2103	केतु 31/01/2118
गुरु 09/10/2052	शनि 04/05/2070	बुध 16/05/2087	केतु 28/01/2104	शुक्र 02/04/2119
शनि 16/08/2055	बुध 09/08/2072	केतु 24/06/2088	शुक्र 28/11/2106	सूर्य 08/08/2119
बुध 04/03/2058	केतु 16/07/2073	शुक्र 25/08/2091	सूर्य 04/10/2107	चंद्र 10/12/2119
केतु 23/03/2059	शुक्र 16/03/2076	सूर्य 06/08/2092	चंद्र 05/03/2109	00/00/0000
शुक्र 22/03/2062	सूर्य 02/01/2077	चंद्र 07/03/2094	मंगल 02/03/2110	00/00/0000
सूर्य 14/02/2063	चंद्र 04/05/2078	मंगल 16/04/2095	राहु 18/09/2112	00/00/0000
चंद्र 15/08/2064	मंगल 10/04/2079	राहु 20/02/2098	गुरु 25/12/2114	00/00/0000
मंगल 02/09/2065	राहु 02/09/2081	गुरु 03/09/2100	शनि 03/09/2117	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 8 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।